प्राच्यविद्यापीठ के संस्थापक निदेशक एवं ग्रन्थमाला सम्पादक

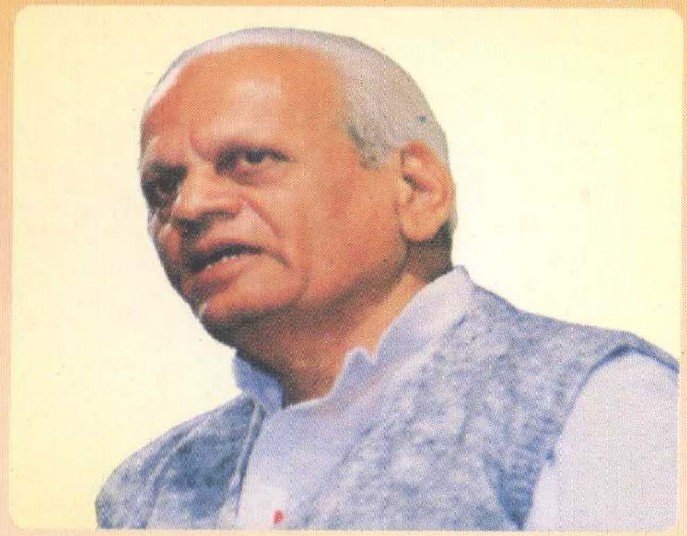

प्रो. डॉ. सागरमल जैन

प्राच्य विद्यापीठ, शाजापुर (म.प्र.)

प्रकाशन सूची

1. जैन दर्शन के नव तत्त्व - डॉ. धर्मशीलाजी
2. Peace and Religious Hormony - Dr. Sagarmal Jain
3. अहिंसा की प्रासंगिकता - डॉ. सागरमल जैन
4. जैन धर्म की ऐतिहासिक विकास यात्रा - डॉ. सागरमल जैन
5. जैन गृहस्थ के षोडशसंस्कार - अनु. साध्वी मोक्षरत्ना श्री
6. जैन मुनि जीवन के विधि-विधान-अनु. साध्वी मोक्षरत्नाश्री
7. अनुभूति एवं दर्शन-साध्वी रूचिदर्शनाश्री
8. जैन विधि-विधानों के साहित्यों का बृहद् इतिहास-साध्वी सौम्यगुणाश्री
9. प्रतिष्ठा, शान्तिककर्म, पौष्टिक कर्म एवं बलि विधान-अनु. साध्वी मोक्षरत्नाश्री
10. प्रायश्चित्त, आवश्यक, तप एवं पदारोपण विधि-अनु. मोक्षरत्नाश्री